पंचांग-फरवरी-2019

पंचक विचार फरवरी --- 2019

पंचक विचार दिनांक 5 को 19:34 से दिनांक 10 को 19:36 तक पंचक हैं |

ग्रह स्थिति फरवरी --- 2019

दिनांक 5 मंगल मेष में दिनांक 7 बुध कुंभ में दिनांक 13 सूर्य कुंभ में दिनांक 15 बुद्धदेव पश्चिम में दिनांक 24 शुक्र मकर में दिनांक 25 बुध मीन में |

मूल विचार फरवरी --- 2019

दिनांक 1 को 21:06 तक दिनांक 9 को 2729 से दिनांक 11 को 21:11 तक दिनांक 18 को 14:01 से दिनांक 20 को 7:59 तक दिनांक 26 को 23:02 से दिनांक 1 मार्च को 3:05 तक गंड मूल नक्षत्र हैं|

सूर्य उदय सूर्य अस्त फरवरी --- 2019

सूर्य उदय -- दिनांक 1 को 7:13 5 को 7:11 दिनांक 10 को 7:07 दिनांक 15 को 7:03 दिनांक 20 को 6:59 दिनांक 25 को 6:54 दिनांक 28 को 6:51
सूर्य अस्त -- दिनांक 1 को 17:56 दिनांक 5 को 18:00 बजे दिनांक 10 को 18:03 दिनांक 15 को 18:07 दिनांक 20 को 18:11 दिनांक 25 को 18:14 दिनांक 28 को 18:16 बजे|

-- ----------

भद्रा विचार फरवरी --- 2019

दिनांक 2 को 21:18 से दिनांक 3 को 10:34 तक दिनांक 8 को 23:24 से दिनांक 9 को 12:25 तक दिनांक 12 को 15:54 से दिनांक 13 को 3:50 तक दिनांक 16 को 0010 मिनट से 11:01 तक दिनांक 19 को 1:11 से 11:17 तक दिनांक 22 को 00 25 से 10:39 तक

दिनांक 25 को 5:04 से 16:56 तक दिनांक 28 को 19:40 से दिनांक 1 मार्च को 8:39 बजे तक भद्रा है|

व्रत उत्सव ------ फरवरी --- 2019

दिनांक 2 शनिवार मास शिवरात्रि शनि प्रदोष व्रत,, दिनांक 4 मोनी अमावस्या,, दिनांक 5 गुप्त नवरात्र प्रारंभ दिनांक 8 गौरी तृतीया,, दिनांक 10 बसंत पंचमी, सरस्वती जयंती,, दिनांक 12 भानु सप्तमी,, दिनांक 13 भीष्म अष्टमी, दुर्गा अष्टमी,संक्रांति पुण्य,, दिनांक 14 गुप्त नवरात्र समाप्त,, दिनांक 16 जया एकादशी व्रत ,,दिनांक 17 भीष्म द्वादशी प्रदोष व्रत,, दिनांक 19 सत्यव्रत, श्री रविदास जयंती, माघ स्नान समाप्त ,श्री ललिता जयंती,, दिनांक 22 श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चंद्रोदय 21-22,, दिनांक 26 सीता अष्टमी, कालाष्टमी दिनांक 27 गुरु रामदास जयंती,, दिनांक 28 स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती|

राहुकाल

रविवार -सायं-- 16:30 से 18:00 बजे तक
सोमवार - प्रातः-- 7:30 से 9:00 बजे तक
मंगलवार - दोपहर-- 15:00 से 16:30 तक
बुधवार - दोपहर-- 12:00 से 13:30 तक
गुरुवार - दोपहर-- 13:30 से 15:00 बजे तक
शुक्रवार - प्रातः-- 10:30 से 12:00 बजे तक
शनिवार - प्रातः-- 9:00 बजे से 10:30 बजे तक

नोट - वस्तुतः यह राहुकाल दक्षिण भारत की देन है|दक्षिण भारत में राहु काल में शुभ कार्य शुरू करना अच्छा नहीं माना जाता| राहु काल में शुभकार्यओं में वर्जित करने की परंपरा अब अपने उत्तर भारत में भी अपनाने लगे हैं राहुकाल प्रतिदिन एक घंटा 30 मिनट का होता है

कृपया अगर कुछ ना समझ आ रहा हो तो सम्पर्क करे-सतीश शर्मा(जन्म कुंडली विशेषज्ञ -9312002527

वर वधू हेतु

वायो डाटा, इ- मेल करे

jankarikal@gmail.com

ये सेवा निःशुल्क है।

संपादक

जानकारी काल

www.jaankaarikaal.com
9560518227

सतीश शर्मा
(जन्म कुंडली व हस्त रेखा विशेषज्ञ)
9312002527,9560518227